



Date :- 01/08/2023

NOTIFICATION

Sub :- CBCS Syllabi of B.A./B.Com./B.Sc. in Hindi (Sem. I & II)

Ref. :- Decision of the Academic Council at its meeting held on 26/07/2023.

The Syllabi of B.A./B.Com./B.Sc. in Hindi (First and Second Semesters) as per **NATIONAL EDUCATION POLICY - 2020** and approved by the Academic Council as referred above are hereby notified for implementation with effect from the academic year 2023-24.

Copy of the Syllabi Shall be downloaded from the College Website (www.kcesmjcollege.in)

Sd/-
Chairman,
Board of Studies

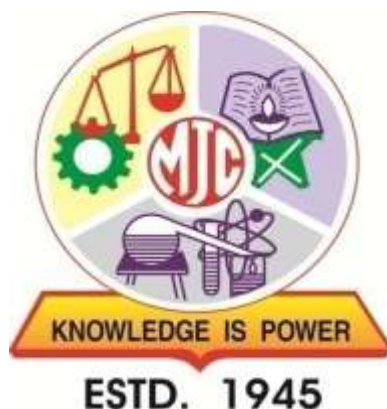
To :

- 1) The Head of the Dept., M. J. College, Jalgaon.
- 2) The office of the COE, M. J. College, Jalgaon.
- 3) The office of the Registrar, M. J. College, Jalgaon.

Knowledge is Power

Khandesh College Education Society's
Moolji Jaitha College, Jalgaon
An "Autonomous College"

Affiliated to
Kavayitri Bahinabai Chaudhari
North Maharashtra University, Jalgaon-425001



STRUCTURE AND SYLLABUS

B.A. Honours/Honours with Research (HINDI)

**Under Choice Based Credit System (CBCS)
and
as per NEP-2020 Guidelines**

[w.e.f. Academic Year: 2023-24]

प्रस्तावना:

विद्यार्थियों को समुचित ज्ञान के साथ-साथ कौशल और अनुभव पर आधारित शिक्षा मिले यह समय की मांग थी। अतः उच्च शिक्षा में कालानुरूप बदलाव अत्यावश्यक था। मूलजी जेठा महाविद्यालय (स्वशासी) ने UGC और महाराष्ट्र शासन के आदेश तथा नियमावली को मद्देनजर रखते हुए NEP-2020 का स्वीकार किया है। जिसके तहत हिंदी विभाग के हिंदी अध्ययन मंडल के सदस्यों ने स्नातक स्तर पर नूतन पाठ्यक्रम का ढांचा तैयार किया है। जिसमें...

हिंदी साहित्य का परिचय हमें हिंदी भाषा के महत्वपूर्ण साहित्यिक युगों, काव्य और गद्य शैलियों, लेखकों और उनकी प्रमुख रचनाओं की जानकारी प्रदान करता है। हिंदी साहित्य भारतीय साहित्य की अमूल्य धारणा है और यह भारतीय साहित्य, संस्कृति और सामाजिक जीवन की अनुभूति को व्यक्त करने का एक महत्वपूर्ण साधन है। हिंदी साहित्य का परिचय हमें प्रमुख कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक, गद्य, आलोचना, निबंध, आत्मकथा और साहित्यिक आंदोलनों के बारे में ज्ञान प्रदान करता है।

हिंदी भाषा भारत की आधिकारिक राष्ट्रभाषा है। उसके सामान्य ज्ञान से छात्रों को अवगत होना आवश्यक है। हिंदी भाषा की प्रयुक्तिगत दक्षता, लेखन कौशल, सामान्य ज्ञान, साहित्य और प्रचार-प्रसार के माध्यम से भारतीय सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक विचारों का प्रतिपादन करती है। हिंदी भाषा का इतिहास अत्यंत समृद्ध है और इसके प्रचलन की सैवधानिक स्थिति भारत के संविधानिक अनुच्छेदों द्वारा संरचित की गई है। हिंदी लेखन कौशल हिंदी भाषा के माध्यम से अभिव्यक्ति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह शब्दों, वाक्यों, पैराग्राफों और निबंधों के माध्यम से विचारों, ज्ञान का साझा करने का एक तरीका है। हिंदी लेखन कौशल के माध्यम से एक व्यक्ति अपने विचारों को स्पष्ट और प्रभावशाली ढंग से व्यक्त कर सकता है, साथ ही साहित्यिक और सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण और प्रचार कर सकता है। हिंदी लेखन कौशल भाषा के साथ-साथ अभिव्यक्ति का एक महत्वपूर्ण माध्यम है और भारतीय साहित्य, लेखन और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हिंदी का सामान्य ज्ञान हमारे सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हिंदी भाषा संविधानिक रूप से भारत की राष्ट्रीय भाषा है और इसका प्रचार-प्रसार राष्ट्रीय स्तर पर भी महत्वपूर्ण है। हिंदी के व्याकरण, शब्दावली, साहित्य, इतिहास, सामाजिक प्रतीकताओं, कवि, लेखक, नाटककार, फिल्म और साहित्यिक संगठनों के बारे में ज्ञान होना चाहिए। हिंदी का सामान्य ज्ञान हमें हिंदी भाषा और भारतीय साहित्य के मूल सिद्धांतों की समझ को बढ़ावा देता है। हिंदी दक्षता एक महत्वपूर्ण विषय है, जिसमें हिंदी भाषा के व्याकरण, वर्णमाला, वाक्य रचना, शब्दावली और प्राचीन और आधुनिक हिंदी लेखन के मूल सिद्धांतों का अध्ययन किया जाता है। हिंदी भाषा दक्षता अनुशासनबद्धता, शब्दार्थ विवेचन, भाषा के स्वरूप के प्रति संवेदनशीलता और संवाद कौशल के विकास को प्रोत्साहित करती है। हिंदी भाषा की दक्षता व्यक्तिगत, सामाजिक और व्यावसायिक स्तर पर अत्यंत महत्वपूर्ण है।

Program Outcomes (PO) for B.A. Program

Upon successful completion of the B.A. program, student will be able to:

PO No.	PO

Program Specific Outcome PSO (B.A. HINDI):

After completion of this course, students are expected to learn/understand the:

PO No.	PSO
1	हिंदी साहित्य एवं भाषा के विभिन्न आयामों से अवगत कराना
2	छात्रों के संप्रेषण कौशल, लेखन कौशल तथा विचार क्षमता का विकास करना
3	भाषा दक्षता की ओर ध्यान आकर्षित करना
4	छात्रों को साहित्य में निहित मानवीय तथा जीवन मूल्यों का परिचय देना
5	संत साहित्य, भक्ति साहित्य एवं जनवादी हिंदी साहित्य के महत्व से परिचित कराना
6	रोजगारमूलक हिंदी के अवसरों का ज्ञान प्रदान करना

Multiple Entry and Multiple Exit options:

The multiple entry and exit options with the award of UG certificate/ UG diploma/ or three-year degree depending upon the number of credits secured;

Levels	Qualification Title	Credit Requirements		Semester	Year
		Minimum	Maximum		
4.5	UG Certificate	40	44	2	1
5.0	UG Diploma	80	88	4	2
5.5	Three Year Bachelor's Degree	120	132	6	3
6.0	Bachelor's Degree- Honours Or Bachelor's Degree- Honours with Research	160	176	8	4

FYBA HINDI (Four Years Honors / Honors with Research)

Class	Sem	Course	Credi		TH/	Paper Code	Title of the Paper
FYBA	I	DSC	4	4	TH	HIN-DSC-111	हिंदी साहित्य परिचय
		DSC	2	2	TH	HIN -DSC-112	हिंदी का सामान्य ज्ञान
		Minor	4	4	TH	HIN -DSC-111	हिंदी साहित्य परिचय
		OE/GE	2	2	TH	HIN -GE-111	साहित्य एवं संप्रेषण कला
		SEC	2	2	TH	HIN -SEC-111	लेखन कौशल
		SEC	1	2	PR	HIN -SEC-112	लेखन कौशल (प्रात्यक्षिक)
		ENG	2	2	TH	ENG-AEC-111	English
		EV/CI/E	2	2	TH	ES-VEC-111	Environmental Studies
		IKS	1	1	TH	IKS-111	Indian Knowledge System
		CC	2	2		NCC-CC-111 NSS-CC-111 SPT-CC-111 CUL-CC-111	NCC NSS Sports Cultural
	II	DSC	4	4	TH	HIN -DSC-121	हिंदी भाषा परिचय
		DSC	2	2	TH	HIN -DSC-122	हिंदी का प्रचार-प्रसार एवं हिंदी की संवैधानिक
		Minor	4	4	TH	HIN -DSC-121	हिंदी भाषा परिचय
		OE/GE	2	2	TH	HIN -GE-121	लेखन कौशल
		SEC	2	2	TH	HIN -SEC-121	भाषा दक्षता
		SEC	1	2	PR	HIN -SEC-122	भाषा दक्षता (प्रात्यक्षिक)
		Eng	2	2	TH	ENG-AEC-121	English
		EV/CI/	2	2	TH	CI-VEC-121	Constitution of India
		IKS	1	1	TH	IKS-121	Indian Knowledge System
		CC	2	2		NCC-CC-121 NSS-CC-121 SPT-CC-121 CUL-CC-121	NCC NSS Sports Cultural

DSC	:	Department-Specific Core course
DSE	:	Department-Specific elective
GE/OE	:	Generic/ Open elective
SEC	:	Skill Enhancement Course
MIN	:	Minor course
AEC	:	Ability Enhancement Course
VEC	:	Value Education Courses
ENG	:	English

ES	:	Environmental studies
CI	:	Constitution of India
IKS	:	Indian Knowledge System
CC	:	Co-curricular course
TH	:	Theory
PR	:	Practical

Exam Pattern

(100 Marks Theory course)
Pattern of Question Papers (Sem.- I & Sem.- II)

External Theory Examination		
Time : 3 Hours	Component Wise Details	Total Marks : 60
No. of Question		Marks
Question No.- 1	(Attempt any 2 out of 3 sub-questions)	12
Question No.- 2	(Attempt any 1 out of 2sub-questions)	12
Question No.- 3	(Attempt any 1 out of 2sub questions)	12
Question No.- 4	(Attempt any 1 out of 2sub questions)	12
Question No.- 5	(Attempt any 3 out of 4 sub questions)	12
External Theory Examination Total marks		60
Internal theory assessment		
Unit Test (Component- 1 & 2)		20
Assignment / Group Discussion / Project / Seminar / Activity Participation / Study Visit (Component-3 & 4)		20
Internal Examination assessment Total Marks		40
External Theory Examination And Internal Examination assessment Total marks		100

Exam Pattern

(50 Marks Theory course)
Pattern of Question Papers (Sem. - I & Sem. - II)

External Theory Examination		
Time : 2 Hours	Component Wise Details	Total Marks : 40
No. of Question		Marks
Question No.- 1	(Attempt any 2 out of 3 sub-questions)	10
Question No.- 2	(Attempt any 1 out of 3 sub questions)	10
Question No.- 3	(Attempt any 2 out of 3 sub questions)	10
Question No.- 4	(Attempt any 2 out of 3 sub-questions)	10
External Theory Examination Total marks		40
Internal theory assessment		
Unit Test (Component-1)		10
Internal Examination assessment Total Marks		10
External Theory Examination And Internal Examination assessment Total marks		50

प्रथम सत्र (Semester-I)

F.Y.B.A. HINDI

HIN DSC-111: हिंदी साहित्य परिचय

प्रथम सत्र (Semester) : I

Paper Code : HIN DSC-111

कुल तासिकाएँ : 60

श्रेयांक (Credits) : 4

कुल अंक : 100

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	- छात्रों की हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाना तथा छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं एवं इतिहास काल से परिचित कराना। - छात्रों को हिंदी के प्रतिनिधि गद्यकारों एवं कवियों से परिचित कराना। - छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण कराना। - छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं को विकसित कराना।	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	- छात्र हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाना तथा छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं एवं इतिहास काल से परिचित होंगे। - छात्र हिंदी के प्रतिनिधि गद्यकारों एवं कवियों से परिचय होंगे। - छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण होगी। - छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं का विकास होगा।	
इकाई Unit	पाठ Content	तासिकाएँ Lectures
Unit I	1.1. कहानी का स्वरूप, तत्व एवं हिंदी कहानी की विकासयात्रा 1.2 अध्ययनार्थ पाठ 1.2.1 सद् गति - प्रेमचंद 1.2.2 पत्नी - जैनेन्द्र कुमार 1.2.3 दोपहर का भोजन - अमरकांत 1.2.4 दो कलाकार - मन्नू भंडारी 1.2.5 भोलाराम का जीव - हरिशंकर परसाई	15
Unit II	2.1 कथेतर गद्य का सामान्य परिचय 2.2 अध्ययनार्थ पाठ 2.2.1 नाखून क्यों बढ़ते हैं (निबंध) - हजारीप्रसाद द्विवेदी 2.2.2 बुद्ध देव (जीवनी अंश) - मैथिलीशरण गुप्त 2.2.3 सुभान खां (रेखाचित्र) - रामवृक्ष बेनीपुरी 2.2.4 आखिरी चट्टान (यात्रा वर्णन) - मोहन राकेश 2.2.5 मुआवजा (व्यंग्य) - सुधीर ओखदे	15
Unit III	3.1 मध्यकालीन कविता का सामान्य परिचय 3.2 अध्ययनार्थ पाठ 3.2.1.कबीर के दोहे i. गुरु गोविंद दोऊ खडे ii. पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुआ iii.जिन खोजा तिन पाईया iv. निंदक नियरे रखिए 3.2.2 रहीम के दोहे i.रहिमन धागा प्रेम का ii.जो रहीम उत्तम प्रकृति iii.पावस देखि रहीम मन iv.तरुवर फल नहीं खात है	15

	3.2.3 सूरदास के पद i. मैं नहीं माखन खायोii. निसिदिन बरसत नैन हमारे 3.2.4. मीराबाई के पद i.पग घुंघरू बांध मीरा नाची रे ii.बसौ मोरे नैनन में नंदलाल 3.2.5 बिहारी के दोहे i. मेरी भवबाधौ हरोii. करौ कूबत जग iii.बतरस लालच लाल की iv.कहत,नटत,रिझत,खिजत	
Unit IV	4.1 आधुनिक कविता का सामान्य परिचय 4.2 अध्ययनार्थ पाठ 4.2.1 वह तोड़ती पत्थर - सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' 4.2.2 जो बीत गई - हरिवंशराय बच्चन 4.2.3 तब तुम क्या करोगे - ओमप्रकाश वाल्मीकि 4.2.4 अपने घर की तलाश - निर्मला पुतुल 4.2.5 प्यार की कहानी चाहिए (गीत) - गोपालदास सक्सेना 'नीरज' 4.2.6 हो गई है पीर पर्वत-सी (गज़ल) - दुष्यंतकुमार 4.2.7 कैसे गुजारी उम्र लिख (गज़ल) - चन्द्र त्रिखा 4.2.8 रेल में सांप (हास्य-व्यंग्य) - काका हाथरसी	15
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• सहगल शशि, साहित्य विधाएं, किताबघर, नई दिल्ली, प्र.सं.1992 • राय, गुलाब, काव्य के रूप. आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली, सं.1969 • बाजपेयी, आ.नंददुलारे, हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, प्र.सं.1963 • भ्रमर, डॉ.रवीन्द्र, समकालीन हिंदी कविता, राजेश प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.1972 • शर्मा, डॉ.शिवकुमार, हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियां, अशोक, प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.1994 • तिवारी, डॉ.रामचंद्र, हिंदी गद्य का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं. 1998 • सिंह, बच्चन, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं. 2008 • स्वरूप पुष्पा, हिंदी काव्य धारा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, सं.1965 • राय, डॉ.बरमेश्वर नाथ (संपा.), आधुनिक हिंदी काव्य प्रवाह, शैलजा, प्रकाशन, कानपुर, सं.2014 • मुरुमकर, डॉ.दत्तात्रय, आधुनिक हिंदी साहित्य वाद, प्रवृत्तियां एवं विमर्श, साहित्य संस्थान, गाझियाबाद, नई दिल्ली, प्र.सं.2012 • द्विवेदी रामअवध, साहित्य रूप, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, सं.1963, • वाष्णीय, लक्ष्मी नारायण, आधुनिक कहानी का परिपार्श्व, साहित्य भवन, इलाहाबाद सं.1976 • राय, डॉ. सूबेदार राय, स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी का विकास, अनुभव प्रकाशन,कानपुर, सं.1984 • पुष्पसिंह, समकालीन कहानी का संदर्भ, नेशनल पब्लिकेशन हाऊस, दिल्ली, सं. 2006	

F.Y.B.A. HINDI

HIN DSC-112: हिंदी का सामान्य ज्ञान

प्रथम सत्र (Semister) : I

Paper Code : HIN DSC-112

कुल तासिकाएं : 30

श्रेयांक (Credits) : 2

कुल अंक : 50

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	- छात्रों की भाषाई दक्षता और भाषा कौशल को बढ़ाना। - भाषा के व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा देना। - भाषा के व्यावहारिक ज्ञान के प्रति छात्रों की रुचि बढ़ाना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	- छात्र हिंदी भाषा के दैनंदिन जीवन में उपयोग होने वाले शब्दों से परिचित होंगे। - छात्रों की हिंदी की आधारभूत शब्दावली की जानकारी मिलेगी। - हिंदी भाषा के व्याकरण का ज्ञान प्राप्त होगा।	
इकाई Unit	पाठ Content	तासिकाएँ Lectures
Unit I	1.भाषा का ज्ञान (संक्षेप में) 1.1.हिंदी भाषा की व्याकरणिक कोटियाँ 1.2 हिंदी शब्द निर्माण की प्रक्रिया 1.3 शब्द के भेदों का परिचय	7
Unit II	2.हिंदी के विभिन्न कवि, लेखक एवं पत्र-पत्रिकाएं 2.2 प्रातिनिधिक कवि-लेखकों के बारे में जानकारी 2.3 प्रातिनिधिक पत्र-पत्रिकाओं एवं संपादकों के बारे में जानकारी	8
Unit III	3.हिंदी की आधारभूत शब्दावली 3.1 फल सब्जियां 3.2 रंग, पर्व-उत्सव 3.3 वार, माह 3.4 ऋतुएं 3.5 रिश्ते - नाते 3.6 शरीर के अंग 3.7 खाने पाने की चीजें 3.8 प्रमुख वस्तुएं 3.9 अंक 3.10 पशु -पक्षी की आवाजें	7
Unit IV	4.हिंदी के विविध पुरस्कार तथा मुहावरें-कहावतों का परिचय 4.1 हिंदी के विभिन्न पुरस्कारों का परिचय 4.2 मुहावरें 4.3 लोकोक्तियाँ- कहावतें	8

संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	● राय, गोपाल, हिंदी भाषा का विकास, अनुपम प्रकाशन, पटना, द्वि.सं.2000 ● तिवारी भोलानाथ, हिंदी ध्वनियाँ और उनका उच्चारण, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, सं.2003 ● प्रसाद वासुदेव नंदन, आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, भारती भवन प्रकाशन, पटना, सं.1984 ● कुवर, डॉ.गौतम, डॉ.सुनील पानपाटील, हिंदी व्याकरण एवं अभिव्यक्ति कौशल, प्रशांत पब्लिकेशन, जलगांव, प्र.सं.2020 ● शर्मा राजमणि, आधुनिक भाषा विज्ञान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं.1999 ● गुरु कामताप्रसाद, हिंदी व्याकरण, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, सं.2014 ● वाजपेयी किशोरीदास, हिंदी शब्दानुशासन, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, सं.1976 ● चौधरी अनंतलाल, देवनागरी लिपि और हिंदी वर्तनी, बिहार हिंदी ग्रन्थ अकादमी, पटना, प्र.सं.1973 ● शंकर, डॉ.विवेक, आधुनिक भाषा विज्ञान, राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, प्र.सं.2019
-------------------------	---

F.Y.B.A. HINDI

HIN MINOR-111: हिंदी साहित्य परिचय

प्रथम सत्र (Semester) : I

Paper Code : HIN MINOR-111

कुल तासिकाएँ : 60

श्रेयांक (Credits) : 4

कुल अंक : 100

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	• छात्रों की हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाना तथा छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं एवं इतिहास काल से परिचित कराना। • छात्रों को हिंदी के प्रतिनिधि गद्यकारों एवं कवियों से परिचित कराना। • छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण कराना। • छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं को विकसित कराना।	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	• छात्र हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाना तथा छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं एवं इतिहास काल से परिचित होंगे। • छात्र हिंदी के प्रतिनिधि गद्यकारों एवं कवियों से परिचय होंगे। • छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण होगी। • छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं का विकास होगा।	
इकाई Unit	पाठ Content	तासिकाएँ Lectures
Unit I	1.1. कहानी का स्वरूप, तत्व एवं हिंदी कहानी की विकासयात्रा 1.2 अध्ययनार्थ पाठ 1.2.1 सद् गति - प्रेमचंद 1.2.2 पत्नी - जैनेन्द्र कुमार 1.2.3 दोपहर का भोजन - अमरकांत 1.2.4 दो कलाकार - मन्नू भंडारी 1.2.5 भोलाराम का जीव - हरिशंकर परसाई	15
Unit II	2.1 कथेतर गद्य का सामान्य परिचय 2.2 अध्ययनार्थ पाठ 2.2.1 नाखून क्यों बढ़ते हैं (निबंध) - हजारीप्रसाद द्विवेदी 2.2.2 बुद्ध देव (जीवनी अंश) - मैथिलीशरण गुप्त 2.2.3 सुभान खां (रेखाचित्र) - रामवृक्ष बेनीपुरी 2.2.4 आखिरी चट्टान (यात्रा वर्णन) - मोहन राकेश 2.2.5 मुआवजा (व्यंग्य) - सुधीर ओखदे	15
Unit III	3.1 मध्यकालीन कविता का सामान्य परिचय 3.2 अध्ययनार्थ पाठ 3.2.1.कबीर के दोहे i. गुरु गोविंद दोऊ खडे ii. पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुआ iii.जिन खोजा तिन पाईया iv. निंदक नियरे रखिए 3.2.2 रहीम के दोहे i.रहिमन धागा प्रेम का ii.जो रहीम उत्तम प्रकृति iii.पावस देखि रहीम मन iv.तरुवर फल नहीं खात है 3.2.3 सूरदास के पद i. मैं नहीं माखन खायो ii. निसिदिन बरसत नैन हमारे	15

	3.2.4. मीराबाई के पद i. पग घुंघरू बांध मीरा नाची रे ii. बसौ मोरे नैनन में नंदलाल 3.2.5 बिहारी के दोहे i. मेरी भवबाधौ हरो ii. करौ कूबत जग iii. बतरस लालच लाल की iv. कहत, नटत, रिझत, खिजत	
Unit IV	4.1 आधुनिक कविता का सामान्य परिचय 4.2 अध्ययनार्थ पाठ 4.2.1 वह तोड़ती पत्थर - सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' 4.2.2 जो बीत गई - हरिवंशराय बच्चन 4.2.3 तब तुम क्या करोगे - ओमप्रकाश वाल्मीकि 4.2.4 अपने घर की तलाश - निर्मला पुतुल 4.2.5 प्यार की कहानी चाहिए (गीत) - गोपालदास सक्सेना 'नीरज' 4.2.6 हो गई है पीर पर्वत-सी (गज़ल) - दुष्यंतकुमार 4.2.7 कैसे गुजारी उम्र लिख (गज़ल) - चन्द्र त्रिखा 4.2.8 रेल में सांप (हास्य-व्यंग्य) - काका हाथरसी	15
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• सहगल शशि, साहित्य विधाएं, किताबघर, नई दिल्ली, प्र.सं. 1992 • राय, गुलाब, काव्य के रूप. आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली, सं. 1969 • बाजपेयी, आ. नंददुलारे, हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, प्र.सं. 1963 • भ्रमर, डॉ. रवीन्द्र, समकालीन हिंदी कविता, राजेश प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 1972 • शर्मा, डॉ. शिवकुमार, हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियां, अशोक, प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 1994 • तिवारी, डॉ. रामचंद्र, हिंदी गद्य का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं. 1998 • सिंह, बच्चन, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं. 2008 • स्वरूप पुष्पा, हिंदी काव्य धारा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, सं. 1965 • राय, डॉ. बरमेश्वर नाथ (संपा.), आधुनिक हिंदी काव्य प्रवाह, शैलजा, प्रकाशन, कानपुर, सं. 2014 • मुरुमकर, डॉ. दत्तात्रय, आधुनिक हिंदी साहित्य वाद, प्रवृत्तियां एवं विमर्श, साहित्य संस्थान, गाझियाबाद, नई दिल्ली, प्र.सं. 2012 • द्विवेदी रामअवध, साहित्य रूप, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, सं. 1963, • वाष्णीय, लक्ष्मी नारायण, आधुनिक कहानी का परिपार्श्व, साहित्य भवन, इलाहाबाद सं. 1976 • राय, डॉ. सूबेदार राय, स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी का विकास, अनुभव प्रकाशन, कानपुर, सं. 1984 • पुष्पसिंह, समकालीन कहानी का संदर्भ, नेशनल पब्लिकेशन हाऊस, दिल्ली, सं. 2006	

F.Y.B.A. HINDI

HIN-OE/GE-SCI-111: साहित्य और संप्रेषण कला

प्रथम सत्र (Semester) : I

Paper Code : HIN-OE/GE-SCI-111

कुल तासिकाएँ : 30

श्रेयांक (Credits) : 2

कुल अंक : 50

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	• साहित्य के प्रति रूचि उत्पन्न करके संप्रेषण कला को विकसित करना । • संप्रेषण के प्रकारों से अवगत करना । • संप्रेषण के द्वारा वाक् चातुर्य की क्षमता विकसित करना । • साहित्य और संप्रेषण के द्वारा छात्रों में चिंतन-मनन की क्षमता विकसित करना ।	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	• साहित्य के प्रति रूचि उत्पन्न करके संप्रेषण कला को विकसित किया जाएगा । • संप्रेषण के प्रकारों से अवगत होंगे । • संप्रेषण के द्वारा वाक् चातुर्य की क्षमता विकसित होगी । • साहित्य और संप्रेषण के द्वारा छात्रों में चिंतन -मनन की क्षमता विकसित होगी ।	
इकाई Unit	पाठ Content	तासिकाएँ Lectures
Unit I	1. साहित्य का सैद्धांतिक विवेचन 1.1 साहित्य का स्वरूप , परिभाषा 1.2 साहित्य के भेद 1.3 कहानी के प्रकार 1.4 पद्य के प्रकार	7
Unit II	2. प्रातिनिधिक रचनाएँ 2.1 कहानी विधा का अध्ययन 2.1.1 ईदगाह - प्रेमचंद 2.1.2 छोटा जादूगर — जयशंकर प्रसाद 2.1.3 एक टोकरी भर मिट्टी — माधवराव सप्रे 2.1.4 रिश्ता — चित्रा मुद् गल 2.1.5 वापसी — उषा प्रियवंदा 2.2 कविताओं का अध्ययन 2.2.1 कबीर के दोहे - कबीर 2.2.2 फूल की अभिलाषा - माखनलाल चतुर्वेदी 2.2.3 मेरा मन - नरेंद्र शर्मा 2.2.4 ग़ज़ल - दुष्यंत कुमार 2.2.5 भरत खंड के तुम हे जन -गण — बालकृष्ण शर्मा ‘ नवीन ‘	8
Unit III	3. संप्रेषण के प्रकार 3.1 मौखिक संप्रेषण - 3.1.1 मौखिक संप्रेषण का स्वरूप 3.1.2 मौखिक संप्रेषण के गुण 3.1.3 मौखिक संप्रेषण के दोष 3.1.4 मौखिक संप्रेषण के लाभ	7

	3.2 लिखित संप्रेषण - 3.2.1 लिखित संप्रेषण का स्वरूप 3.2.2 लिखित संप्रेषण के गुण 3.2.3 लिखित संप्रेषण के लाभ 3.2.4 लिखित संप्रेषण के दोष	
Unit IV	4.मौखिक और लिखित संप्रेषण के विकसित अंग- 4.1 कथा-कथन 4.2 भाषण 4.3 सूत्रसंचालन 4.4 रेडियो निवेदन	8
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• सहगल शशि, साहित्य विधाएं, किताबघर, नई दिल्ली, , प्र.सं.1992 • चतुर्वेदी, अरुण, संप्रेषण कला, सेंट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ हिंदी प्रकाशन, आगरा, प्र.सं.2012 • प्रो. हरिमोहन, अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण, तक्षशीला प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं. 2012 • गुरू, पं.कामताप्रसाद, हिंदी व्याकरण, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी, प्र.सं.1979 • अनूपचंद्र , व्यावसायिक संप्रेष, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली, प्र.सं. 2013, • कुलकर्णी, डॉ.सुनील, भाषिक संप्रेषण,कुमुद प्रकाशन, जलगांव, प्र.सं.2019 • कुवर, डॉ.गौतम, डॉ.सुनील पानपाटील, हिंदी व्याकरण एवं अभिव्यक्ति कौशल, प्रशांत पब्लिकेशन, जलगांव, प्र.सं.2020	

F.Y.B.A. HINDI

HIN SEC-111: लेखन कौशल

प्रथम सत्र (Semester) : I

Paper Code : HIN SEC-111

कुल तासिकाएँ : 30

श्रेयांक (Credits) : 2

कुल अंक : 50

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	- छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं को विकसित कराना। - छात्रों को हिंदी के मानक लेखन तथा लिपि प्रयोग का ज्ञान देना। - हिंदी के व्यावहारिक उपयोगिता का ज्ञान देना। - प्रस्तुत अध्यापन के द्वारा रोजगार की संभावनाओं से अवगत कराना। - छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा देना।	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	- छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं का विकास होगा। - छात्रों को हिंदी के मानक लेखन तथा लिपि प्रयोग का ज्ञान मिलेगा। - छात्रों को हिंदी के व्यावहारिक उपयोगिता से परिचय होगा। - छात्र प्रस्तुत अध्यापन के द्वारा रोजगार की संभावनाओं से अवगत हो पाएंगे। - छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता में वृद्धि होगी।	
इकाई Unit	पाठ Content	तासिकाएँ Lectures
Unit I	1.साहित्य लेखन 1.1 कहानी 1.2 एकांकी 1.3 निबंध 1.4 यात्रा वृत्त 1.5 डायरी 1.6 काव्य (गीत, ग़ज़ल. हायकू और दोहा)	7
Unit II	2. पत्र लेखन 2.1 औपचारिक पत्र 2.2 अनौपचारिक पत्र 2.2.1 सरकारी पत्र 2.2.2 अर्द्ध सरकारी	8
Unit III	3.अन्य लेखन 3.1 भाव विस्तार/ वाक्य पल्लवन 3.2 सारांश लेखन	7
Unit IV	4.विज्ञापन लेखन 4.1 विज्ञापन : स्वरूप एवं अवधारणा 4.2 विज्ञापन के क्षेत्र 4.3 विज्ञापन लेखन कला	8
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	- मिश्र राजेन्द्र, सृजनात्मक लेखन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, प्र.सं.2015 - अली, आबिद,कुमार,संदीप, लेखन कला :सृजनात्मक एवं जनसंचार लेखन विधियाँ, निर्मल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, प्र.सं.2014, - तिवारी भोलानाथ, हिंदी ध्वनियाँ और उनका उच्चारण, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, सं.2003 - प्रसाद वासुदेव नंदन, आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, भारती भवन प्रकाशन, पटना, सं.1984 - मिश्र, डॉ. चंद्रप्रकाश-मीडिया लेखन : सिद्धांत और व्यवहार, संजय प्रकाशन, दिल्ली, सं.1998	

F.Y.B.A. HINDI

HIN SEC-111: लेखन कौशल (प्रात्यक्षिक)

प्रथम सत्र (Semester) : I

Paper Code : HIN SEC-111

कुल तासिकाएँ : 30

श्रेयांक (Credits) : 01

कुल अंक : 25

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	• छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं को विकसित कराना। • छात्रों को हिंदी के मानक लेखन तथा लिपि प्रयोग का ज्ञान देना। • हिंदी के व्यावहारिक उपयोगिता का ज्ञान देना। • प्रस्तुत अध्यापन के द्वारा रोजगार की संभावनाओ से अवगत कराना। • छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा देना।	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	• छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं का विकास होगा। • छात्रों को हिंदी के मानक लेखन तथा लिपि प्रयोग का ज्ञान मिलेगा। • छात्रों को हिंदी के व्यावहारिक उपयोगिता से परिचय होगा। • छात्र प्रस्तुत अध्यापन के द्वारा रोजगार की संभावनाओ से अवगत हो पाएंगे। • छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता में वृद्धि होगी।	
इकाई Unit	पाठ Content	तासिकाएँ Lectures
Unit I	1.साहित्य लेखन कहानी, एकांकी, निबंध, यात्रा वृत्त, काव्य (गीत, ग़ज़ल. हायकू और दोहा) पर लेखन अपेक्षित	15
Unit II	2.विज्ञापन लेखन विभिन्न उत्पादों पर प्रत्यक्ष विज्ञापन लेखन अपेक्षित	15
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• मिश्र राजेन्द्र, सृजनात्मक लेखन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, प्र.सं.2015 • अली, आबिद,कुमार,संदीप, लेखन कला :सृजनात्मक एवं जनसंचार लेखन विधियाँ, निर्मल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, प्र.सं.2014, • तिवारी भोलानाथ, हिंदी ध्वनियाँ और उनका उच्चारण, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, सं.2003 • प्रसाद वासुदेव नंदन, आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, भारती भवन प्रकाशन, पटना, सं.1984 • मिश्र, डॉ. चंद्रप्रकाश-मीडिया लेखन : सिद्धांत और व्यवहार, संजय प्रकाशन, दिल्ली, सं.1998	

द्वितीय सत्र (Semester II)

F.Y.B.A. HINDI

HIN DSC-121: हिंदी भाषा परिचय

प्रथम सत्र (Semester) : II

Paper Code : HIN DSC- 121

कुल तासिकाएँ : 60

श्रेयांक (Credits) : 4

कुल अंक : 100

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	- छात्रों की हिंदी भाषा के प्रति रुचि बढ़ाना। - छात्रों को हिंदी भाषा के विविध आयामों से परिचित कराना। - छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं को विकसित कराना। - छात्रों को हिंदी के मानक लेखन तथा लिपि प्रयोग का ज्ञान देना - हिंदी के व्यावहारिक उपयोगिता का ज्ञान देना। - प्रस्तुत अध्यापन के द्वारा रोजगार की संभावनाओं से अवगत कराना।	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	- छात्रों की हिंदी भाषा के प्रति रुचि बढ़ेगी। - छात्र हिंदी भाषा के विविध आयामों से परिचित हो पाएंगे। - छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं का विकास होगा। - छात्रों को हिंदी के मानक लेखन तथा लिपि प्रयोग का ज्ञान मिल सकेगा। - हिंदी के व्यावहारिक उपयोगिता का ज्ञान - छात्र रोजगार की संभावनाओं से अवगत होंगे।	
इकाई Unit	पाठ Content	तासिकाएँ Lectures
Unit I	1.1 हिंदी भाषा का उद्भव 1.2 हिंदी भाषा की विकास यात्रा 1.3 हिंदी भाषा की बोलियाँ 1.4 मानक हिंदी का परिचय	15
Unit II	2.1 हिंदी भाषा की वर्णमाला 2.2 ध्वनि उच्चारण प्रक्रिया 2.3 स्वर- स्वरूप, परिभाषा और व्यंजन से तुलना 2.4 स्वर के भेद 2.5 व्यंजन - स्वरूप, परिभाषा और स्वर से तुलना 3.6 व्यंजन के भेद	15
Unit III	3.1 हिंदी के विविध रूप 3.2 हिंदी शब्द निर्माण 3.3 हिंदी शब्द समूह 3.4 हिंदी वाक्य रचना	15
Unit IV	4.1 देवनागरी लिपि का उद्भव 4.2 देवनागरी लिपि का नामकरण 4.3 देवनागरी लिपि का विकास 4.4 देवनागरी लिपि के गुण / वैज्ञानिकता 4.5 देवनागरी लिपि के दोष/ अवैज्ञानिकता 4.6 देवनागरी लिपि के मानकीकरण के प्रयास	15

संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	● राय, गोपाल, हिंदी भाषा का विकास, अनुपम प्रकाशन, पटना, द्वि.सं.2000 ● बाहरी हरदेव, हिंदी भाषा :उद्भव और विकास, किताबघर, दिल्ली, सं.1968 ● तिवारी भोलानाथ, हिंदी ध्वनियाँ और उनका उच्चारण, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, सं.2003 ● शर्मा राजमणि, आधुनिक भाषा विज्ञान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं.1999 ● गुरु कामताप्रसाद, हिंदी व्याकरण, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, सं.2014 ● वाजपेयी किशोरीदास, हिंदी शब्दानुशासन, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, सं.1976, सं.1976 ● देशमुख, डॉ.अम्बादास, भाषा विज्ञान के अधुनातम आयाम, शैलजा प्रकाशन, कानपुर, प्र.सं.2004 ● चौधरी अनंतलाल, देवनागरी लिपि और हिंदी वर्तनी, बिहार हिंदी ग्रन्थ अकादमी, पटना, प्र.सं.1973 ● शंकर, डॉ.विवेक, आधुनिक भाषा विज्ञान, राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, प्र.सं.2019
-------------------------	--

F.Y.B.A. HINDI

HIN DSE-122: हिंदी का प्रचार-प्रसार एवं हिंदी की संवैधानिक स्थिति

प्रथम सत्र (Semester) : II

Paper Code : HIN DSE-122

कुल तासिकाएँ : 30

श्रेयांक (Credits) : 2

कुल अंक : 50

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	- छात्रों को हिंदी भाषा के प्रचार प्रसार के इतिहास से परिचय करवाना। - हिंदी भाषा के प्रचार प्रसार से संबंधित संस्थाओं तथा व्यक्तियों की जानकारी देना। - हिंदी भाषा की संवैधानिक स्थिति का ज्ञान देना। - छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा देना।	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	- छात्रों को हिंदी भाषा के प्रचार प्रसार के इतिहास से परिचित हो पाएंगे। - हिंदी भाषा के प्रचार प्रसार से संबंधित संस्थाओं तथा व्यक्तियों की जानकारी मिलेगी। - हिंदी भाषा की संवैधानिक स्थिति का ज्ञान प्राप्त होगा। - छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता में वृद्धि होगी।	
इकाई Unit	पाठ Content	तासिकाएँ Lectures
Unit I	1.1 राष्ट्रभाषा आन्दोलन का इतिहास 1.2 हिंदी प्रचार-प्रसार में सामाजिक संस्थाओं का योगदान 1.3 हिंदी प्रचार-प्रसार में व्यक्तियों का योगदान	7
Unit II	2.महत्वपूर्ण साहित्यिक संस्थाओं का परिचय 2.1 नागरी प्रचारिणी सभा 2.2 हिंदी साहित्य सम्मेलन 2.3 हिंदुस्थानी एकेडमी 2.4 राष्ट्रभाषा प्रचार समिति 2.5 राष्ट्रभाषा प्रचार सभा 2.6 दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा 2.7 नागरी लिपि परिषद्	8
Unit III	3.1 हिंदी के प्रचार-प्रसार में पत्र -पत्रिकाएँ 3.2 हिंदी के प्रचार-प्रसार में हिंदी फ़िल्में 3.3 हिंदी के प्रचार-प्रसार में दूरदर्शन 3.4 हिंदी के प्रचार-प्रसार में आकाशवाणी	7
Unit IV	4.राजभाषा अधिनियम 4.1 नियम-अनु.343 से 351 तक 4.2 अष्टम अनुसूची में सम्मिलित भाषाएँ 4.3 राजभाषा हिंदी प्रचार -प्रसार हेतु निर्मित संस्थाएँ	8
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	- राय, गोपाल, हिंदी भाषा का विकास, अनुपम प्रकाशन, पटना, द्वि.सं.2000 - शर्मा राजमणि, आधुनिक भाषा विज्ञान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं.1999 - गुरु कामताप्रसाद, हिंदी व्याकरण, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, सं.2014 - चौधरी अंनतलाल, देवनागरी लिपि और हिंदी वर्तनी, बिहार हिंदी ग्रन्थ अकादमी, पटना प्र.सं.1973 - शंकर, डॉ.विवेक, आधुनिक भाषा विज्ञान, राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, प्र.सं.2019 - देशमुख, डॉ.अम्बादास, भाषा विज्ञान के अधुनातम आयाम, शैलजा प्रकाशन, कानपुर, प्र.सं.2004 - नेने गो.प., राष्ट्रभाषा आन्दोलन, महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पुणे प्र.सं.1967 - सिंह, गंगाशरण (संपा.),राष्ट्रभाषा प्रचार का इतिहास, बिहार हिंदी ग्रन्थ अकादमी, पटना प्र.सं.1982	

F.Y.B.A. HINDI

HIN MINOR-121: हिंदी भाषा परिचय

प्रथम सत्र (Semester) : II

Paper Code : HIN MINOR-121

कुल तसिकाएं : 60

श्रेयांक (Credits) : 4

कुल अंक : 100

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	• छात्रों की हिंदी भाषा के प्रति रुचि बढ़ाना। • छात्रों को हिंदी भाषा के विविध आयामों से परिचित कराना। • छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं को विकसित कराना। • छात्रों को हिंदी के मानक लेखन तथा लिपि प्रयोग का ज्ञान देना • हिंदी के व्यावहारिक उपयोगिता का ज्ञान देना। • प्रस्तुत अध्यापन के द्वारा रोजगार की संभावनाओं से अवगत कराना।	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	• छात्रों की हिंदी भाषा के प्रति रुचि बढ़ेगी। • छात्र हिंदी भाषा के विविध आयामों से परिचित हो पाएंगे। • छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं का विकास होगा। • छात्रों को हिंदी के मानक लेखन तथा लिपि प्रयोग का ज्ञान मिल सकेगा। • हिंदी के व्यावहारिक उपयोगिता का ज्ञान • छात्र रोजगार की संभावनाओं से अवगत होंगे।	
इकाई Unit	पाठ Content	तासिकाएँ Lectures
Unit I	1.1 हिंदी भाषा : उद्भव 1.2 हिंदी भाषा की विकास यात्रा 1.3 हिंदी भाषा की बोलियाँ 1.4 मानक हिंदी का परिचय	15
Unit II	2.1 हिंदी भाषा की वर्णमाला 2.2 ध्वनि उच्चारण प्रक्रिया 2.3 स्वर- स्वरूप, परिभाषा और व्यंजन से तुलना 2.4 स्वर के भेद 2.5 व्यंजन - स्वरूप, परिभाषा और स्वर से तुलना 3.6 व्यंजन के भेद	15
Unit III	3.1 हिंदी के विविध रूप 3.2 हिंदी शब्द निर्माण 3.3 हिंदी शब्द समूह 3.4 हिंदी वाक्य रचना	15
Unit IV	4.1 देवनागरी लिपि का उद्भव 4.2 देवनागरी लिपि का नामकरण 4.3 देवनागरी लिपि का विकास 4.4 देवनागरी लिपि के गुण / वैज्ञानिकता 4.5 देवनागरी लिपि के दोष/ अवैज्ञानिकता 4.6 देवनागरी लिपि के मानकीकरण के प्रयास	15

संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	● राय, गोपाल, हिंदी भाषा का विकास, अनुपम प्रकाशन, पटना, द्वि.सं.2000 ● बाहरी हरदेव, हिंदी भाषा :उद्भव और विकास, किताबघर, दिल्ली, सं.1968 ● तिवारी भोलानाथ, हिंदी ध्वनियाँ और उनका उच्चारण, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, सं.2003 ● शर्मा राजमणि, आधुनिक भाषा विज्ञान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं.1999 ● गुरु कामताप्रसाद, हिंदी व्याकरण, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, सं.2014 ● वाजपेयी किशोरीदास, हिंदी शब्दानुशासन, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, सं.1976, सं.1976 ● देशमुख, डॉ.अम्बादास, भाषा विज्ञान के अधुनातम आयाम, शैलजा प्रकाशन, कानपुर, प्र.सं.2004 ● चौधरी अनंतलाल, देवनागरी लिपि और हिंदी वर्तनी, बिहार हिंदी ग्रन्थ अकादमी, पटना, प्र.सं.1973 ● शंकर, डॉ.विवेक, आधुनिक भाषा विज्ञान, राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, प्र.सं.2019
-------------------------	--

F.Y.B.A. HINDI

HIN OE/GE-121: लेखन कौशल

प्रथम सत्र (Semester) : I

Paper Code : HIN OE/GE-121

कुल तसिकाएं : 30

श्रेयांक (Credits) : 2

कुल अंक : 50

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	- छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं को विकसित कराना। - छात्रों को हिंदी के मानक लेखन तथा लिपि प्रयोग का ज्ञान देना। - हिंदी के व्यावहारिक उपयोगिता का ज्ञान देना। - प्रस्तुत अध्यापन के द्वारा रोजगार की संभावनाओं से अवगत कराना। - छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा देना।	
/GE पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	- छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं का विकास होगा। - छात्रों को हिंदी के मानक लेखन तथा लिपि प्रयोग का ज्ञान मिलेगा। - छात्रों को हिंदी के व्यावहारिक उपयोगिता से परिचय होगा। - छात्र प्रस्तुत अध्यापन के द्वारा रोजगार की संभावनाओं से अवगत हो पाएंगे। - छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता में वृद्धि होगी।	
इकाई Unit	पाठ Content	तसिकाएँ Lectures
Unit I	1 साहित्य लेखन 1.1 कहानी 1.2 एकांकी 1.3 निबंध 1.4 यात्रा वृत्त 1.5 डायरी 1.6 काव्य (गीत, ग़ज़ल, हायकू और दोहा)	7
Unit II	2 पत्र लेखन 2.1 अनौपचारिक पत्र 2.2 औपचारिक पत्र 2.2.1 सरकारी 2.2.2 अर्द्ध सरकारी	8
Unit III	3 अन्य लेखन 3.1 भाव विस्तार/ वाक्य पल्लवन 3.2 सारांश लेखन	7
Unit IV	4 विज्ञापन लेखन 4.1 विज्ञापन : स्वरूप एवं अवधारणा 4.2 विज्ञापन के क्षेत्र 4.3 विज्ञापन लेखन कला	8

संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• मिश्र राजेन्द्र, सृजनात्मक लेखन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, प्र.सं.2015 • अली, आबिद,कुमार,संदीप, लेखन कला :सृजनात्मक एवं जनसंचार लेखन विधियाँ, निर्मल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, प्र.सं.2014 • प्रो. हरिमोहन, अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण, तक्षशीला प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं. 2012 • तिवारी भोलानाथ, हिंदी ध्वनियाँ और उनका उच्चारण, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, सं.2003 • प्रसाद वासुदेव नंदन, आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, भारती भवन प्रकाशन, पटना, सं.1984 • मिश्र, डॉ. चंद्रप्रकाश, मीडिया लेखन : सिद्धांत और व्यवहार, संजय प्रकाशन, दिल्ली सं.1998
-------------------------	---

F.Y.B.A. HINDI

HIN SEC-121: भाषा दक्षता

प्रथम सत्र (Semester) : I

Paper Code : HIN SEC-121

कुल तसिकाएं : 30

श्रेयांक (Credits) : 2

कुल अंक : 50

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	• छात्रों को हिंदी भाषा के एवं व्याकरण के विविध आयामों से परिचित कराना। • छात्रों को हिंदी के दैनंदिन व्यवहार से परिचित कराना। • छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं को विकसित कराना। • छात्रों को हिंदी के मानक लेखन तथा लिपि प्रयोग का ज्ञान देना। • हिंदी के व्यावहारिक उपयोगिता का ज्ञान देना।	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	• छात्रों को हिंदी भाषा के एवं व्याकरण के विविध आयामों से परिचय होगा। • छात्रों का हिंदी के दैनंदिन व्यवहार विषयक ज्ञान बढ़ेगा। • छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं का विकास होगा। • छात्रों को हिंदी के मानक लेखन तथा लिपि प्रयोग का ज्ञान मिलेगा। • छात्रों का हिंदी के व्यावहारिक उपयोगिता का ज्ञान बढ़ेगा।	
इकाई Unit	पाठ Content	तासिकाएँ Lectures
Unit I	1.1.हिंदी शब्द रचना : स्वरूप, परिभाषा एवं महत्त्व 1.2 शब्द रचना के भेद 1.2.1 पर्यायवाची शब्द 1.2.2 एकार्थक शब्द 1.2.3 अनेकार्थी शब्द 1.2.4 विलोम शब्द 1.2.5 समानार्थी शब्द 1.2.6 अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	7
Unit II	2.1 शब्द शक्ति 2.1.1 अभिधा 2.1.2 लक्षणा 2.1.3 व्यंजना 2.2 शब्द युग्म	8
Unit III	3.1 हिंदी के विरामचिह्न : स्वरूप एवं महत्त्व 3.2 हिंदी के विरामचिह्नों के प्रकार	7
Unit IV	4.1 उच्चारण संबंधी अशुद्धियाँ 4.2 वर्तनी संबंधी अशुद्धियाँ 4.2.1 शब्दगत 4.2.2 वाक्यगत 4.3 व्याकरण संबंधी अशुद्धियाँ 4.4 विरामचिह्न संबंधी अशुद्धियाँ	8

संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• मिश्र राजेन्द्र, सृजनात्मक लेखन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, प्र.सं.2015 • टंडन, डॉ.पूरनचंद, भाषा दक्षता-3, किताब घर, नई दिल्ली, प्र.सं.2003 • तिवारी भोलानाथ, हिंदी ध्वनियाँ और उनका उच्चारण, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, सं.2003 • प्रसाद वासुदेव नंदन, आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, भारती भवन प्रकाशन, पटना, सं.1984 • कुवर, डॉ.गौतम, डॉ.सुनील पानपाटील, हिंदी व्याकरण एवं अभिव्यक्ति कौशल, प्रशांत पब्लिकेशन, जलगांव, प्र.सं.2020 • अली, आबिद,कुमार,संदीप, लेखन कला :सृजनात्मक एवं जनसंचार लेखन विधियाँ, निर्मल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, प्र.सं.2014,
-------------------------	---

F.Y.B.A. HINDI

HIN SEC-121: भाषा दक्षता (प्रात्यक्षिक)

प्रथम सत्र (Semester) : II

Paper Code : HIN SEC-121

कुल तसिकाएं : 30

श्रेयांक (Credits) : 01

कुल अंक : 25

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	- छात्रों को हिंदी भाषा के एवं व्याकरण के विविध आयामों से परिचित कराना। - छात्रों को हिंदी के दैनंदिन व्यवहार से परिचित कराना। - छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं को विकसित कराना। - छात्रों को हिंदी के मानक लेखन तथा लिपि प्रयोग का ज्ञान देना। - हिंदी के व्यावहारिक उपयोगिता का ज्ञान देना।	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	- छात्रों को हिंदी भाषा के एवं व्याकरण के विविध आयामों से परिचय होगा। - छात्रों का हिंदी के दैनंदिन व्यवहार विषयक ज्ञान बढ़ेगा। - छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं का विकास होगा। - छात्रों को हिंदी के मानक लेखन तथा लिपि प्रयोग का ज्ञान मिलेगा। - छात्रों का हिंदी के व्यावहारिक उपयोगिता का ज्ञान बढ़ेगा।	
इकाई Unit	पाठ Content	तसिकाएँ Lectures
Unit I	1. हिंदी शब्द रचना पर प्रात्यक्षिक	15
Unit II	2. वर्तनी और उच्चारण संबंधी अशुद्धियों पर प्रात्यक्षिक अपेक्षित 1. लेखन का परिक्षण 2. उच्चारण का परिक्षण	15
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	- मिश्र राजेन्द्र, सृजनात्मक लेखन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, प्र.सं.2015 - टंडन, डॉ. पूरनचंद, भाषा दक्षता-3, किताब घर, नई दिल्ली, प्र.सं.2003 - तिवारी भोलानाथ, हिंदी ध्वनियाँ और उनका उच्चारण, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, सं.2003 - प्रसाद वासुदेव नंदन, आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, भारती भवन प्रकाशन, पटना, सं.1984 - कुवर, डॉ. गौतम, डॉ. सुनील पानपाटील, हिंदी व्याकरण एवं अभिव्यक्ति कौशल, प्रशांत पब्लिकेशन, जलगांव, प्र.सं.2020 - अली, आबिद, कुमार, संदीप, लेखन कला : सृजनात्मक एवं जनसंचार लेखन विधियाँ, निर्मल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, प्र.सं.2014,	



डॉ. रोशनी पवार

विभागाध्यक्षा

हिंदी विभाग